पाठ 2: परमेश्वर को जानना

क. **परमेश्वर के चरित्र का एक प्रकाशन**

1. भजन संहिता 19:1-6 — भजनकार दाऊद ने प्रकृति को हमारे सृष्टिकर्ता परमेश्वर के चरित्र के प्रकाशन के रूप में किस प्रकार प्रेरणादायक गवाही दी?
2. उत्पत्ति की सृष्टि के वर्णन में आप हमारे सृष्टिकर्ता परमेश्वर के चरित्र को कहाँ प्रकट होते देखते हैं? उत्पत्ति 1:26, 31; 2:1-3, 7 आदि।
3. भजन संहिता 19:7-10 — भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से और सबसे पूर्ण रूप से यीशु के द्वारा परमेश्वर के प्रकाशन हमें परमेश्वर के चरित्र की स्पष्ट समझ पाने में इतने महत्वपूर्ण क्यों हैं? (इब्रानियों 1:1-3 भी देखें)
4. गिरे हुए दूत शैतान ने किस प्रकार परमेश्वर के चरित्र की एक विकृत तस्वीर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है? यूहन्ना 8:44; उत्पत्ति 3:1-5
5. परमेश्वर ने आपको अपने चरित्र का अधिक स्पष्ट प्रकाशन देखने में कैसे सहायता की है? (जैसे–यीशु के जीवन पर मनन करना, प्रार्थनापूर्वक पवित्रशास्त्र का अध्ययन करना आदि)

ख. **परमेश्वर अगापे प्रेम है**

1. प्रेरित यूहन्ना ने परमेश्वर के चरित्र का कौन-सा संक्षिप्त सार प्रस्तुत किया है? 1 यूहन्ना 4:8
2. प्रेरित यूहन्ना ने अपने पहले पत्र में इस विषय को किस प्रकार विस्तार से समझाया है? 1 यूहन्ना 4:7-19
3. आप यीशु की शिक्षाओं में परमेश्वर के प्रेम को कहाँ प्रमुख रूप से देखते हैं? यूहन्ना 3:16 आदि।
4. आप यीशु की पृथ्वी पर की गई सेवकाई में परमेश्वर के प्रेम को कहाँ प्रकट होते देखते हैं?
5. परमेश्वर के इस असीम और अटल प्रेम के प्रकाशन से आप पर क्या प्रभाव पड़ता है?

ग. **परमेश्वर पवित्र है**

1. भजन 99 के लेखक ने परमेश्वर के चरित्र के बारे में कौन-सी प्रेरणादायक गवाही दी है? भजन संहिता 99:1-3, 5
2. परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं को अपने चरित्र के बारे में कौन-सा प्रकाशन दिया? लैव्यव्यवस्था 19:2, यशायाह 6:1-3, प्रकाशितवाक्य 4:8 आदि।
3. हन्ना की प्रार्थना से परमेश्वर के चरित्र के बारे में आपको क्या प्रभाव पड़ता है? 1 शमूएल 2:1-2
4. यशायाह 57:15 में दर्ज परमेश्वर की गवाही से आपको कौन-सा प्रोत्साहन मिलता है?
5. पवित्रता के बुलावे को परमेश्वर के साथ संबंध के संदर्भ में समझना क्यों महत्वपूर्ण है? 1 पतरस 1:13-16

घ. **परमेश्वर इम्मानुएल है**

1. प्रेरित यूहन्ना ने अपने सुसमाचार में कौन-सा भेद प्रकट किया है? यूहन्ना 1:1-4, 14 (अवतरण)
2. यहोवा के दूत ने बढ़ई यूसुफ को क्या गवाही दी? मत्ती 1:18-23
3. अवतरण हमारे साथ घनिष्ठ संबंध रखने की परमेश्वर की इच्छा के बारे में क्या प्रकट करता है?